RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

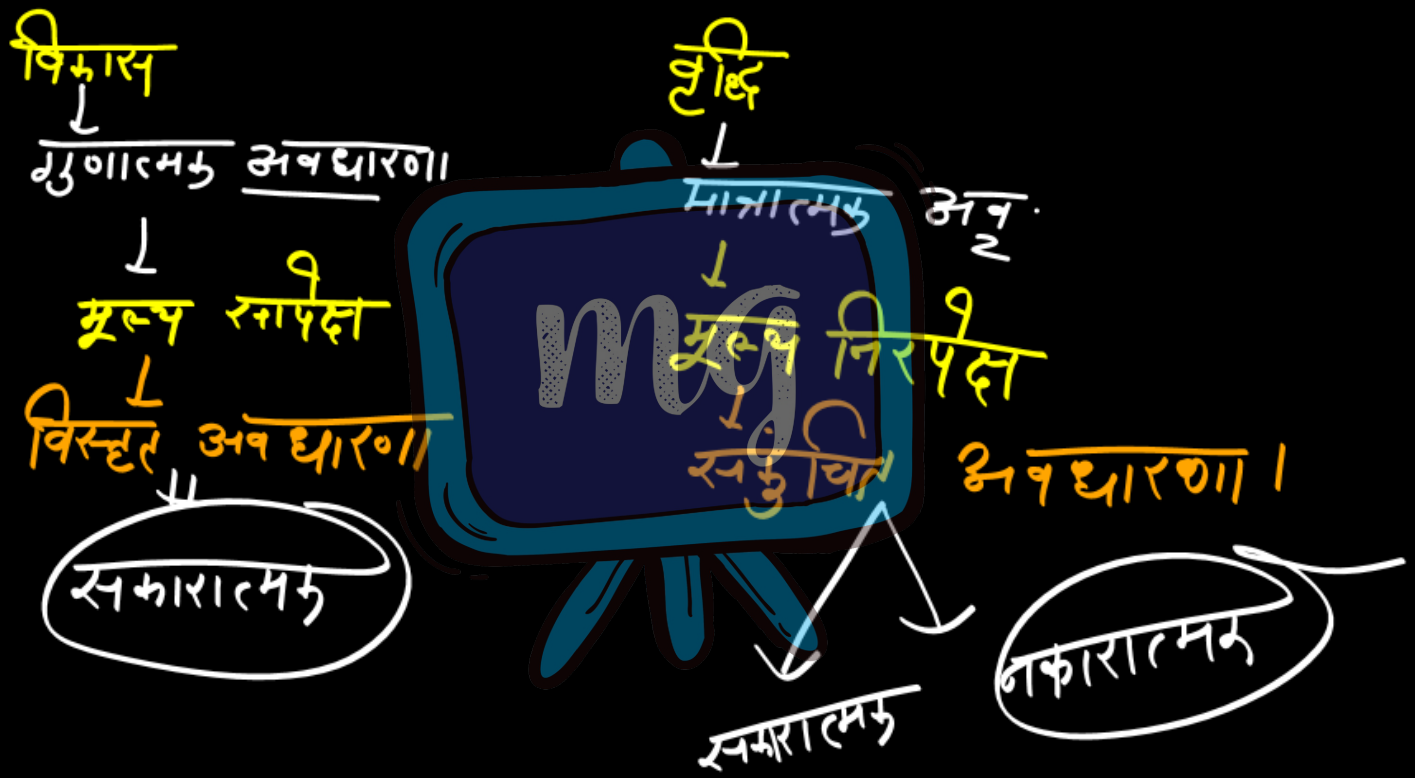
मानव भूगोल

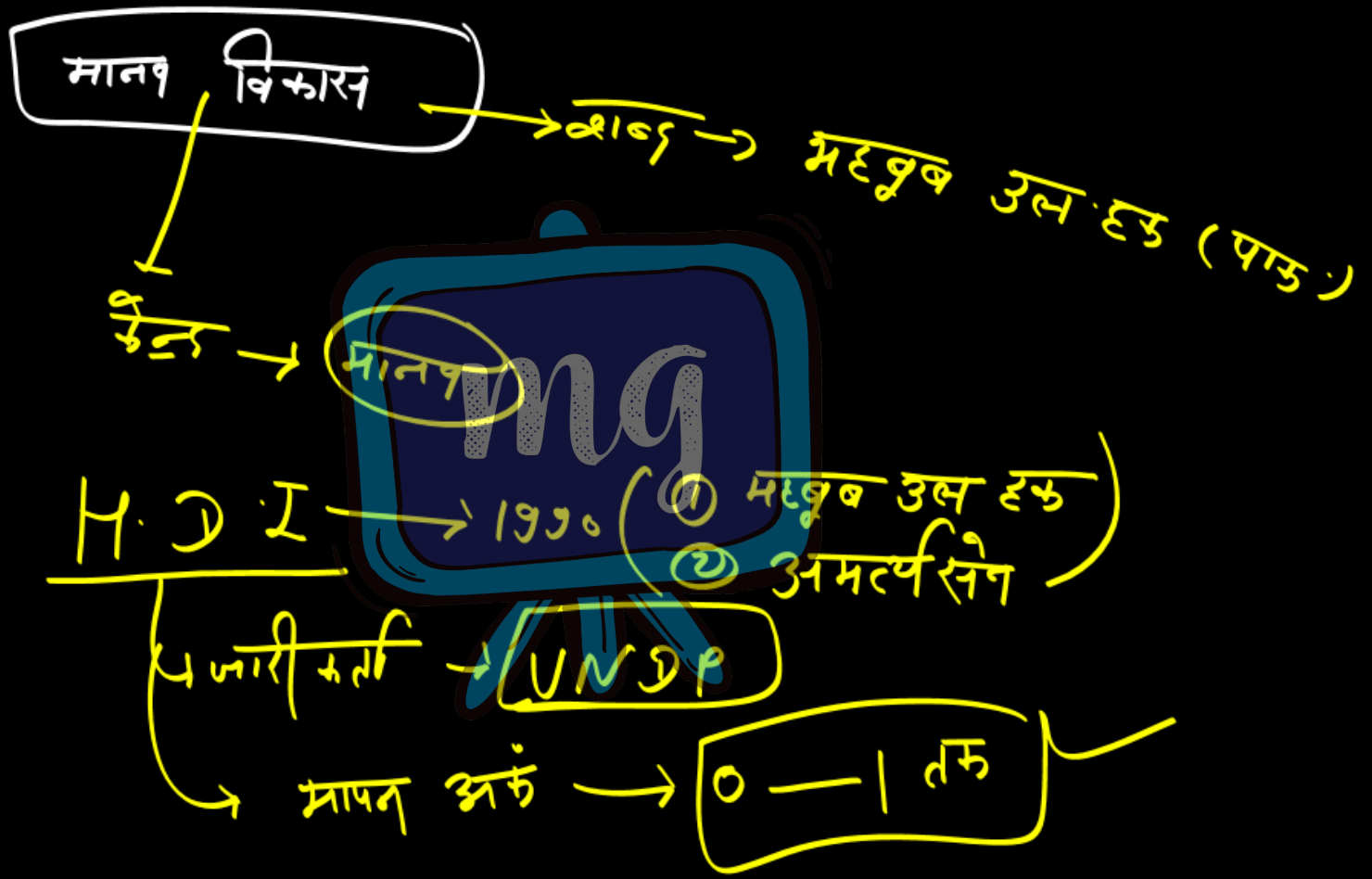
मानव विकास

अध्याय-3 | भाग-03

13 अगस्त 2026 || 05:00 PM




विकास
गुणात्मक अवधारणा
मूल्य सापेक्ष
विस्तृत अवधारणा
सकारात्मक
वृद्धि
मात्रात्मक अव.
मूल्य निरपेक्ष
संकुचित अवधारणा।
नकारात्मक
सकारात्मक


मानव विकास
→ शब्द → महबूब उल हक (पाक.)
केन्द्र → मानव
H.D.I → 1990 (① महबूब उल हक ② अमर्त्य सेन)
प्रकाशित कर्ता → UNDP
मापन अंक → 0 — 1 तक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

2 अभ्यास प्रश्न



HPI

मानव गरीबी सूचकांक

- मानव गरीबी सूचकांक मानव विकास सूचकांक संबंधित है यह सूचकांक मानव विकास में कमी मापता है। यह एक बिना आय वाला माप है।
- किसी प्रदेश के मानव विकास में कमी दर्शाने के लिए 40 वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभाव्यता, प्रौढ़ निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुँच न रखने वाले लोगों की संख्या और अल्पभार वाले छोटे बच्चों की संख्या, सभी इसमें गिने जाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

मानव विकास की अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ रुचिकर हैं। प्रदेश के आकार और प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। प्राय: मानव विकास में बड़े देशों की अपेक्षा छोटे देशों का कार्य बेहतर रहा है। इसी प्रकार मानव विकास में अपेक्षाकृत निर्धन राष्ट्रों का कोटि-क्रम धनी पड़ोसियों से ऊँचा रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का स्तर	मानव विकास सूचकांक का स्कोर	देशों की संख्या
अति उच्च	0.800 से ऊपर	66
उच्च	0.700 से 0.799 के बीच	53
मध्यम	0.550 से 0.699 के बीच	37
निम्न	0.549 से नीचे	33

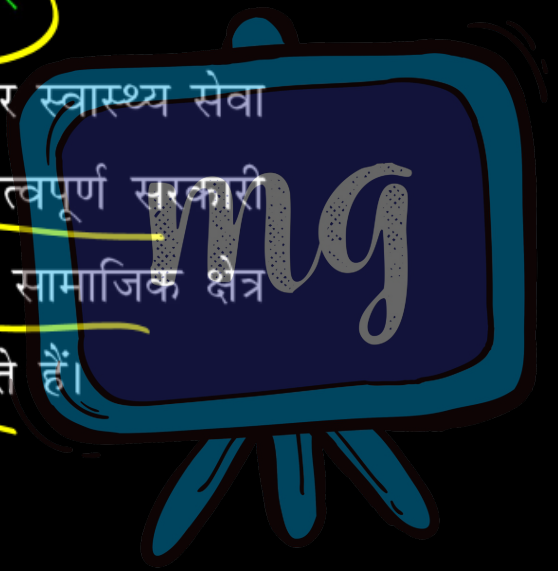
0.800+ → अति उच्च
0.799 से 0.700 → उच्च
0.550 से 0.699 → मध्यम
0.549 ⊖ → निम्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का उच्च स्तर

- इस समूह के देश शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं जो एक महत्वपूर्ण सरकारी प्राथमिकता है और साथ ही सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश करते हैं।

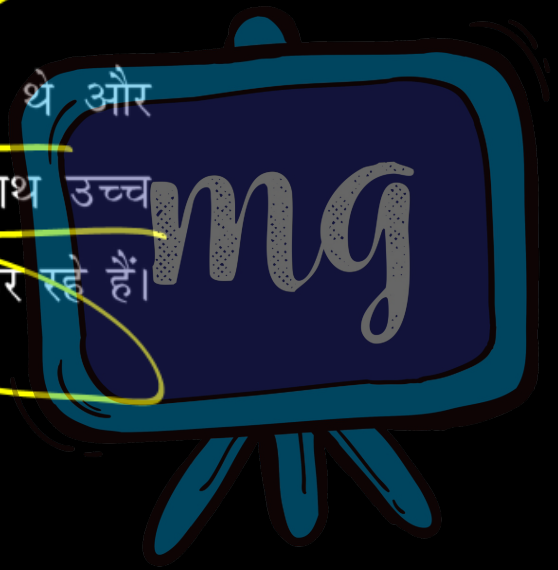


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का मध्यम स्तर

- इनमें से कई देश पूर्व उपनिवेश थे और राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ उच्च सामाजिक विविधता का सामना कर रहे हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का निम्न स्तर

- ये देश राजनीतिक उथल पुथल, सामाजिक अस्थिरता, गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की उच्च घटनाओं से गुजर रहे हैं।



1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही उत्तर को चुनिए :

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सर्वोत्तम वर्णन करता है।

क. आकार में वृद्धि (वृद्धि)

ख. गुण में धनात्मक परिवर्तन

ग. आकार में स्थिरता

घ. गुण में साधारण परिवर्तन

(ii) मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है।

R

क. प्रो. अमर्त्य सेन (भारत अर्थशास्त्री)

ख. डॉ. महबूब-उल-हक (पाक)

ग. एलन सी. सेम्पुल

घ. रैटजेल

मानव विकास अवधारणा

महबूब उल हक

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

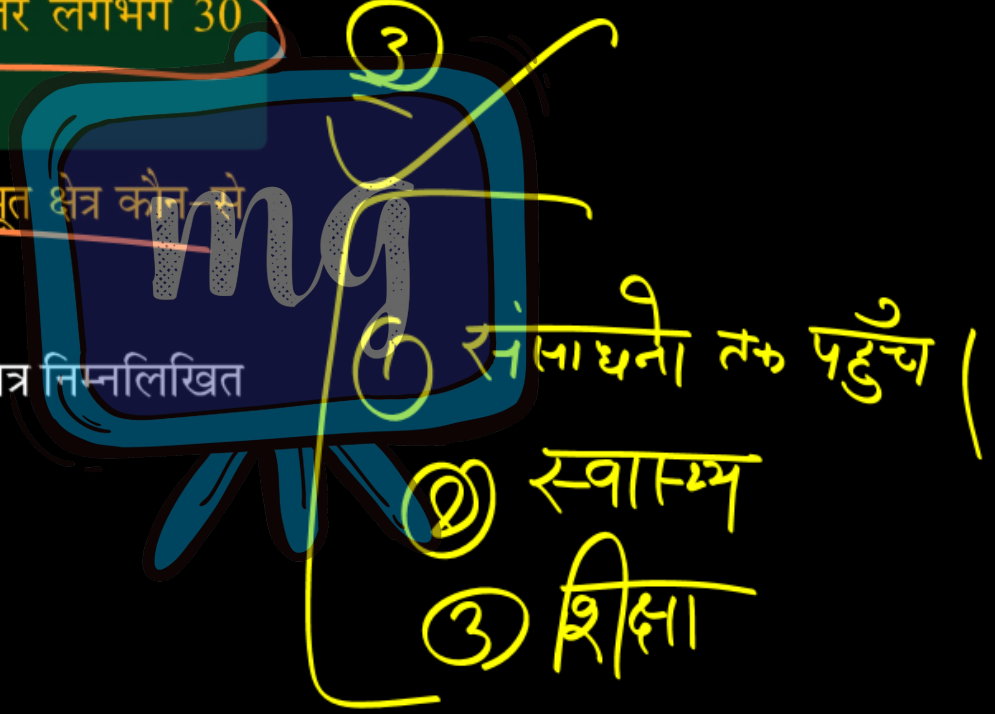
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) मानव विकास के तीन मूलभूत क्षेत्र कौन से हैं?

उत्तर : मानव विकास के मूलभूत क्षेत्र निम्नलिखित है–

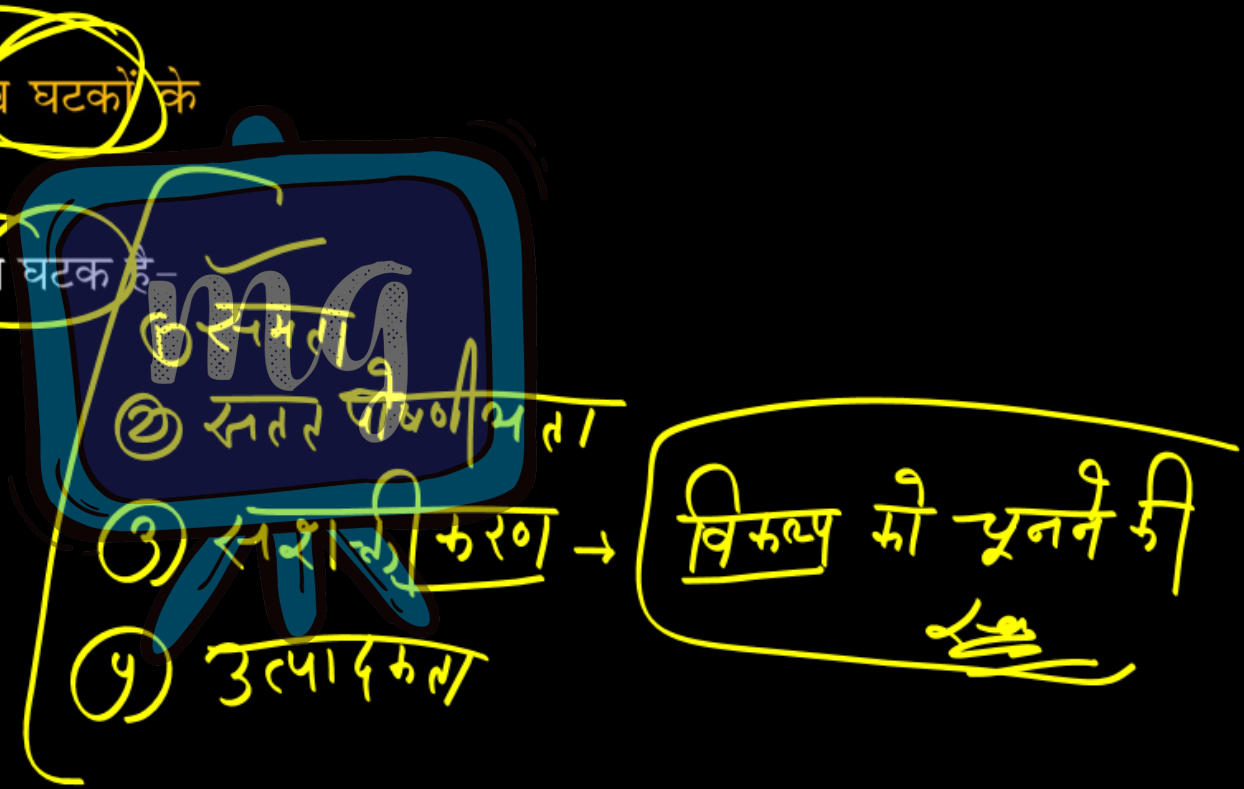
1. संसाधनों तक पहूँच
2. स्वास्थ्य एवं
3. शिक्षा



(ii) मानव विकास के चार प्रमुख घटकों के नाम लिखिए।

उत्तर : मानव विकास के चार प्रमुख घटक है–

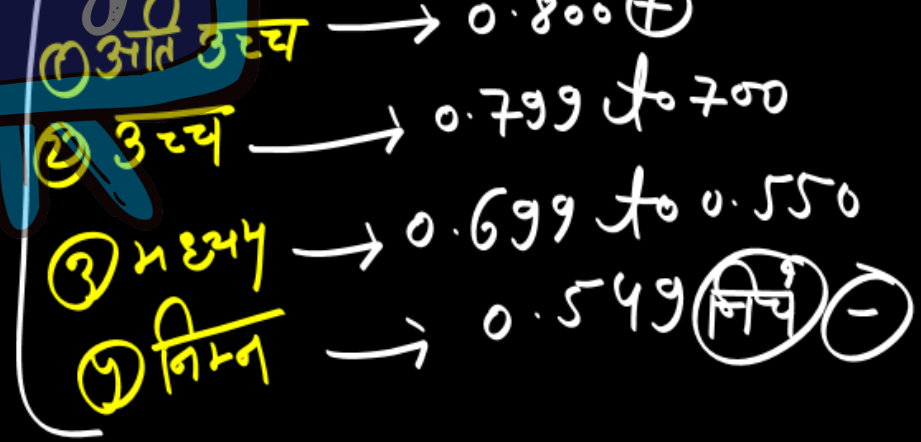
1. समता
2. सतत पोषणीयता
3. उत्पादकता
4. सशक्तीकरण



(iii) मानव विकास सूचकांक के आधार पर देशों का वर्गीकरण किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर : मानव विकास सूचकांक के आधार पर देशों को निम्न चार समूहों में विभाजित किया जाता है–

मानव विकास का स्तर	मानव विकास सूचकांक का स्कोर	देशों की संख्या
अति उच्च	0.800 से ऊपर	66
उच्च	0.700 से 0.799 के बीच	53
मध्यम	0.550 से 0.699 के बीच	37
निम्न	0.549 से नीचे	33



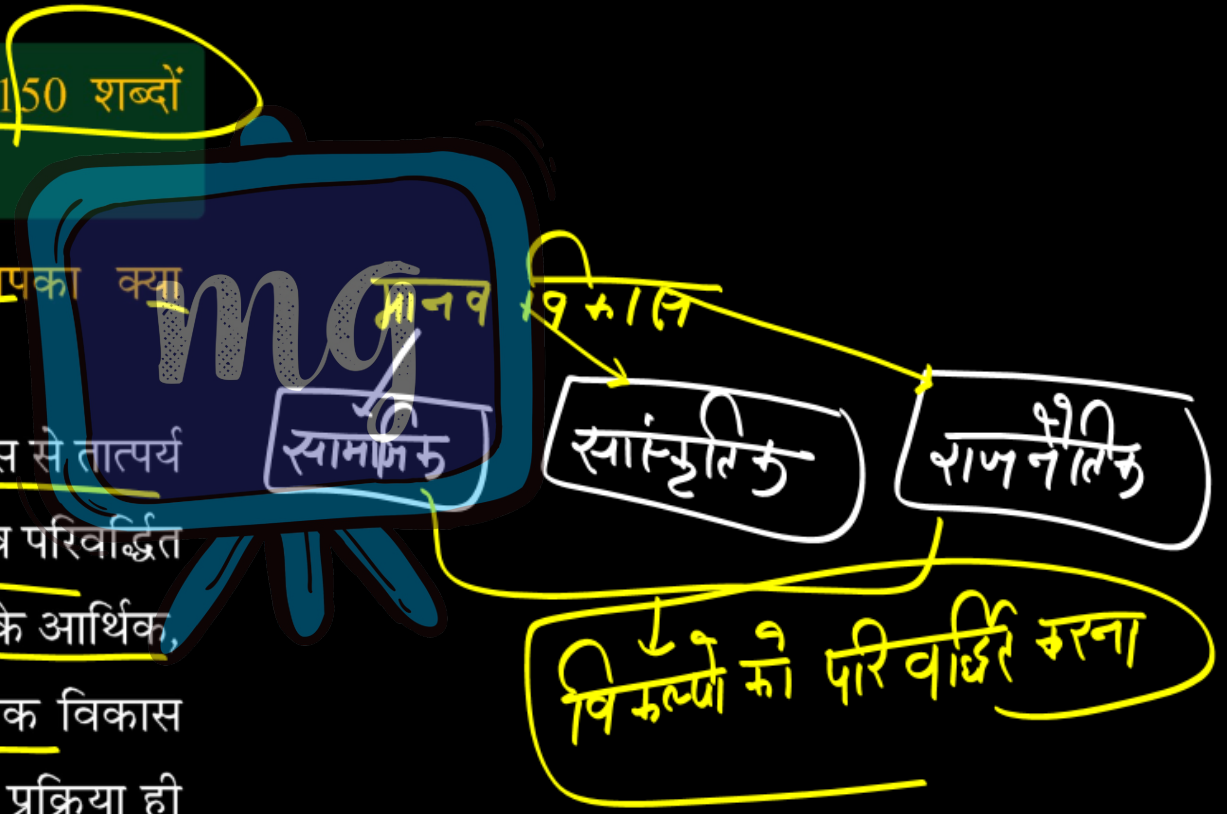
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक में न दें :

(i) मानव विकास शब्द से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर : मानव विकास – मानव विकास से तात्पर्य लोगों के विकल्पों को विकसित करने व परिवर्द्धित करने की प्रक्रिया से है अर्थात् मानव के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक विकास के विकल्पों को परिवर्द्धित करने की प्रक्रिया ही मानव विकास का लक्ष्य है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन – मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन डॉ. महबूब – उल–हक ने किया। डॉ. हक ने मानव विकास का वर्णन एक ऐसे विकास के रूप में किया जो कि लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है तथा उनके जीवन में सुधार लाता है। इस अवधारणा में सभी प्रकार के विकास का केन्द्र बिन्दु मनुष्य है। ये विकल्प स्थिर न होकर परिवर्तनशील हैं। विकास का मूल उद्देश्य इस प्रकार की दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सार्थक जीवन केवल दीर्घ नहीं होता। जीवन का कोई उद्देश्य होना भी आवश्यक है। इसका अर्थ है कि लोग स्वस्थ हों, अपने विवेक और बुद्धि का विकास कर सकते हों, वे समाज में प्रतिभागिता करें और अपने उद्देश्यों को पूरा करने में स्वतंत्र हों।

मानव विकास के केन्द्र बिन्दु- संसाधनों तक पहुँच, स्वास्थ्य एवं शिक्षा मानव विकास के केन्द्र बिन्दु हैं। प्राय: लोगों में अपने आधारभूत विकल्पों को तय करने की क्षमता और स्वतंत्रता नहीं होती।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यह ज्ञान प्राप्त करने की अक्षमता उनकी भौतिक निर्धनता, सामाजिक भेदभाव, संस्थाओं की अक्षमता और अन्य कारणों की वजह से हो सकता है। इससे दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन जीने, शिक्षा प्राप्ति के योग्य होने और एक शिष्ट जीवन जीने के साधनों को प्राप्त करने में बाधा आती है।

विकल्पों में वृद्धि करना :- लोगों के विकल्पों में वृद्धि करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा संसाधनों तक पहुँच में उनकी क्षमताओं का निर्माण करना महत्त्वपूर्ण है।

यदि किसी क्षेत्र के लोगों की क्षमताएँ सीमित हैं, तो उनके विकल्प भी सीमित हो जायेंगे, जिससे मानव विकास का स्तर निम्न बना रहेगा।

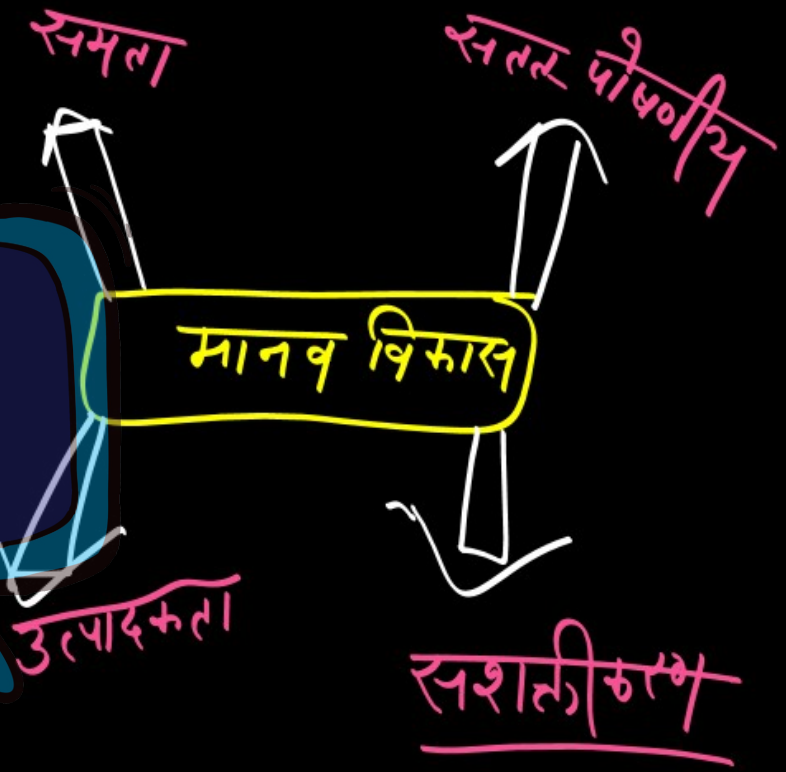


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) मानव विकास अवधारणा के अंतर्गत समता और सतत पोषणीयता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : मानव विकास के स्तम्भ :- जिस प्रकार किसी इमारत को स्तम्भों को सहारा होता है उसी प्रकार मानव विकास का विचार भी समता, सतत पोषणीयता, उत्पादकता तथा सशक्तीकरण की संकल्पनाओं पर आश्रित है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समता

समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।



लिंग, जाति, आय आदि पर बिना विचार किये भेदभाव नहीं होना।

भारत में स्त्रियाँ और सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के व्यक्ति बड़ी संख्या में विद्यालय से विरत होते हैं। इससे पता चलता है कि शिक्षा तक पहुँच न होना किस प्रकार इन वर्गों के विकल्पों को सीमित करता है।

स्त्रियाँ व सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग विद्यालय नहीं जा पाते।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय

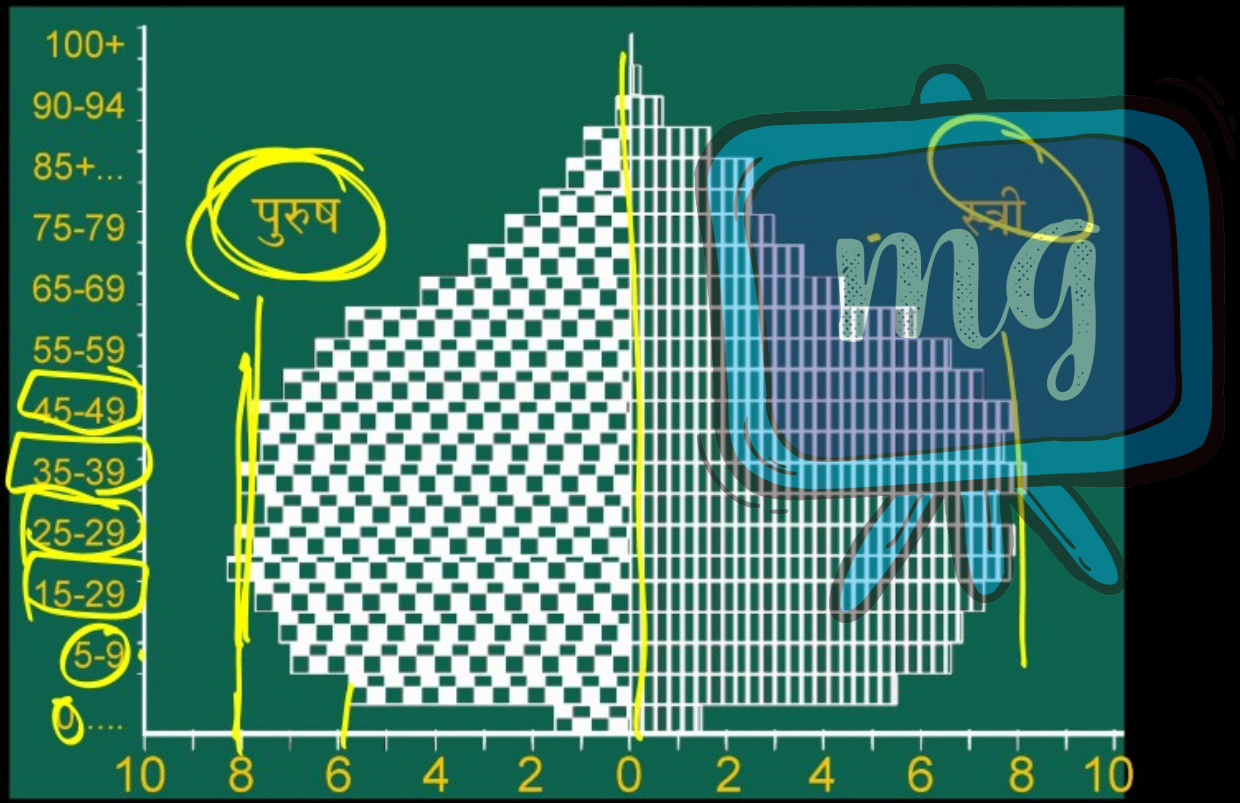
- सतत पोषणीय मानव विकास के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले।
- समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

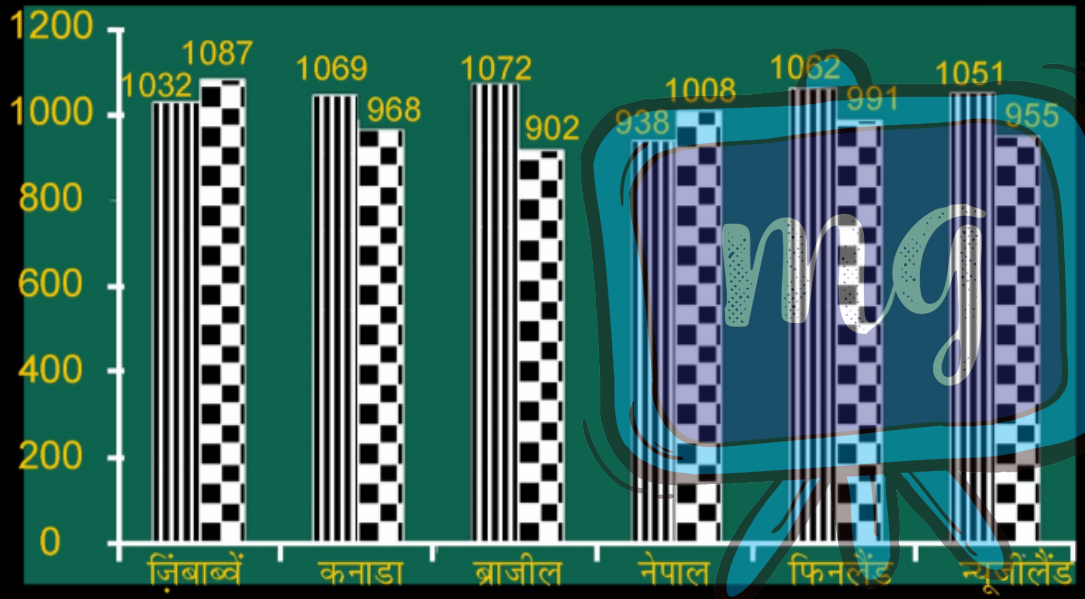
प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिलना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरुपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।
- अत: प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों और विकल्पों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना चाहिए।


100+
90-94
85+...
75-79
65-69
55-59
45-49
35-39
25-29
15-29
5-9
0....
पुरुष
स्त्री
10 8 6 4 2 0 2 4 6 8 10


1200
1000
800
600
400
200
0
1032
1087
1069
968
1072
902
938
1008
991
1062
955
1051
ज़िंबाब्वें
कनाडा
ब्राजील
नेपाल
फिनलैंड
न्यूज़ीलैंड

मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन किस ने किया ?



उत्तर - महबूब उल हक (पाकिस्तान)

मानव विकास के ③ बिन्दु लिखें व नाम बताइए।

Ans → ① संसाधनों तक पहुँच।

② शिक्षा (साक्षरता)

③ स्वास्थ्य (जीवन प्रत्याशा)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

HDI

→ मानव विकास सूचकांक

मानव विकास सूचकांक के आधार पर कितने प्रकार के देश

(1) अति उच्च → 0.800 +
(2) उच्च → 0.799 to 0.700
(3) मध्यम → 0.699 to 0.550
(4) निम्न → 0.549 निम्न

HDR के रिपोर्ट कौनसी संस्था जारी करती है?

↳ U.N.D.P के द्वारा जारी किया जाता है।

HDR का प्रमुख प्रतिपादक → महबूब उल हक (पाक.)

(सहयोगी - अमर्त्य सेन (1990))

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास के हेतु किन्तु क्या है?

